प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 4 दिसंबर, 2017 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित ब्राउन हॉल मे Central Sterile Service Department (CSSD) Meet- "Progress And Reality" विषय पर सीएसएसडी कमेटी केजीएमयू एवं हल्यार्ड एजुकेशन फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 कुलपति, प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी एवं विशिष्ट अतिथि प्रो0 अमिता जैन, विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, केजीएमयू, एवं कार्यक्रम की संयोजक सचिव डॉ0 शीतल वर्मा थी। कार्यकम में मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा अपने व्याख्यान में कहा गया कि कई बार मरीज शल्य क्रिया सम्पन्न होने के पश्चात विभिन्न संक्रमणो से ग्रसित हो जाते है। ऐसे संक्रमणों को हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन कहा जाता है। हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन 4 से 25 प्रतिशत तक मरीजो में पाया जात हैं कई बार ये इतना गंभीर होते है की मरीज की इनकी वजह से मृत्यु तक को प्राप्त हो जाते है। ऐसे संक्रमणो को नियंत्रित करने के लिए चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वार सेन्ट्रल स्टेराइल सर्विस डीपार्टमेंण्ट बनाया गया है। यह अपने तौर का सरकारी संस्थानो में सम्पूर्ण भारत में इकलौता विभाग है जो कि अच्छी से अच्छी सेवा को उपलब्ध करायेगा। इसकी वजह से हम संस्थान में हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन से मरीजो को बचाने सफलता प्राप्त करेंगे जिससे मरीज जल्द से जल्द स्वस्थ होगा, अपने घर जल्द वापस जा सकेगा, हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन के संक्रमण से मरीजो की मृत्यु दर में कमी आ सकेगी, और इसकी वजह से चिकित्सको के काफी समय को भी बचाया जा सकता है।

कार्यक्रम मे डॉ0 शीतल वर्मा द्वारा सीएसएसडी की अवश्यकता और इसके उपयोग तथा इसको नियमानुसार कैसे विकसित किया जाए इस संबंध मे बताया गया। डॉ0 शीतल ने बताया कि सीएसएसडी के लिए जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षित मैन पॉवर, उपरकण एवं अंतराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के आधार पर इसे विकसति किया जारहा है। इसके तहत निम्न कार्यो को कर के मरीजो को हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन से बचाया जा सकता है जैसे ओ0टी0 को संक्रमण मुक्त करना, सर्जिक उपकरणों, औजारो की सेन्ट्रल प्रोसेसिंग और पैकिंग को अपना कर इनके ट्रांसपोटेशन आदि पर ध्यान देकर काफी हद तक हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन से मरीजो को बचाया जा सकता है।

प्रो0 विनीता मित्तल, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग, डॉ0 राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेज, लखनऊ ने बताया कि सर्जिकल साइट इंफेक्शन कैसे होते है, इससे कैसे बचा जा सकता है एवं इसकी रोकथाम कैसे की जा सकती है। प्रो0 मित्तल ने बताया कि ग्रॉम निगेटिव की तुलना में ग्रॉम पाजिटिव वैक्टिरिया से इंफेक्शन का ज्यादा खतरा रहता है। भारत के अस्पातालों में इसका दर बहुत ज्यादा है। इसके बचाव के तरीके है हैण्ड वॉश, रब, ड्रिपिंग और एंटीबायोटिक को इस्तेमाल। प्रो0 मित्तल ने सर्जरी की खामियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ओ0टी0 में कम से कम लोगो को रहना चाहिए, एक दिन में एक ओ0टी0 में 6 से 8 ऑपरेशन से ज्यादा ऑपरेशन नही होना चाहिए, ओ0टी0 में प्रॉपर वेंटिलेशन होना चाहिए आदि।

सुश्री शैलिना डोयल, सीएसएसडी प्रबंधक सहारा अस्पताल द्वारा सीएसएसडी में क्वालिटी कंट्रोल की प्रॉपर जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रो0 विमला वेंकटेश, डॉ0 आर0के0 कल्याण, डॉ0 प्रशांत गुप्ता, प्रो0 अरूण चतुर्वेदी, प्रो0 विजय कुमार, एम0एस0, प्रो0 संदीप तिवारी, प्रो0 अविनाश अग्रवाल, प्रो0 अरून शर्मा, प्रो0 अभिजीत चंद्रा सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य एवं चिकत्सक उपस्थित रहे।

प्रो0 नरसिंह वर्मा,	**प्रो0 विभा सिंह**	**डॉ0 सुधीर सिंह**
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल	संकाय प्रभारी, मीडिया सेल	सह–संकाय प्रभारी मीडिया सेल